भ. कृ. अनु. प.-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

एमजीएमजी के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण तथा लवण सहिष्णु गेहूं (केआरएल-210) के बीज का वितरण

आईसीएआर-सीएसएसआरआई, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र भरूच द्वारा 17 नवंबर, 2026 को समनी प्रायोगिक फार्म में 'मेरा गांव, मेरा गौरव' योजना के तहत अपनाये गए गांव के किसानों के लिए एक प्रशिक्षण तथा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भरूच जिले के आमोद तालुका के 9 गांवों (समनी, तंछा, केसलू, वछनाद, ओच्छन, अनोर, रौंद, निनम, डोरा) के 30 किसानों को लवण सहिष्णु गेहूं किस्म (केआरएल-210) का 40-40 किलोग्राम बीज वितरित किया गया। सर्वप्रथम डॉ. मोनिका शुक्ला के द्वारा किसानों को 'मेरा गांव, मेरा गौरव' कार्यक्रम का उद्देश्य समझाया गया तथा संस्थान के कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी| उनके द्वारा गेहूं की वैज्ञानिक खेती के बारे में प्रशिक्षण दिया गया| इस क्षेत्र की काली लवणीय मृदाओं के लिए लवण सहिष्णु सरसों की किस्म की खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया गया| किसानों को सरसों की वैज्ञानिक खेती के बारे में भी किसानों को बताया गया| डा. बिशवेश्वर गोरेन द्वारा लवणीय मृदा प्रबंधन, मिट्टी का नमूना लेने तथा मिट्टी में पोषक तत्वों का उचित प्रबंधन के बारे में किसानों को प्रशिक्षण दिया गया| डा. विनीत टी. वी. के द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दी गई तथा लवण सहनशील अन्य फसलों की किस्मों के बारे में बताया गया| अंत में किसानों ने वैज्ञानिकों से बातचीत की और खेती में आने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में पूछा। किसानों ने पिछले वर्षों में उनके द्वारा उगाई गई लवण सहिष्णु गेहूं की किस्म के प्रदर्शन के बारे में भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। केंद्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिंचमलातपुरे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया| कार्यक्रम के दौरान संस्थान के तकनीकी अधिकारी चंपक तवियाड, बलवंत डामोर तथा दिलीप वाघेला उपस्थित रहे तथा अपना सहयोग प्रदान किया|



